31116

अमिताम श्रीवास्तव. अपर सचिव. उत्तरांचल शासन।

संवा ने

निदेशक, होन्योपेथिक सेवायें उत्तरांचल देहरादून।

विकित्सा अनुमाग-1

देहरादूनः दिनांकः ५ अगस्त २००५

विषयः अनुदान स0—30 लेखाशीर्षक 2210 के अन्तर्गत हिरनाखेडी (हरिद्वार) में होम्योपैथिक चिकित्सालय की स्थापना के संबंध में ।

अपने पश्च सं0-25प/होन्यों0/बजट/2005-06/696/ दिनांक 22-6-2005 का सन्दर्भ ग्रहण करें । प्रमुक्त विषयक प्रमुख शिवव वित्त विभाग के पश्च सं0-422/ XXVII (1) 2005 दिनांक 30.3.2005 तथा संख्या-527 ए०/ XXVII (1) 2005 दिनांक 26.4.2005 के — सन्दर्भ ने नुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2003-03 की आय-व्ययक की मांगे स्वीकृत होने वे तत्सवंधी विनियोग अधिनियम 2005 पारित होने के फलस्वरूप (हान्योपिक सेवाये) विभाग की योजनाओं को कियान्वयन हेतु अनुदान स0-30 के अन्तर्गत मानक मद-वेतन, मंहगाई भला, अन्य भलो तथा अनुदान के रूप में सरकारी सेवकों तथा गैर सरकारी सवकों के देतन एवं बचनबद्ध मदों में गजपूरी, विधुत वंच जलकर किराया , पेंशन औषधि , भोजन व्यय ,पैट्रोल, टेलीकोन तथा अन्य आवश्यक व्ययों को पुण्यान सुनिश्चित किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2005-06 में उपरोक्त बचनबद्ध मदों में (दिनांक 01 अप्रैल, 2005 से दिनाक 30.4.2005 तक वित्तीय स्वीकृतियों का सम्मिलित करते हुए) आयोजनागत पक्ष में रूठ 7,13,0,00-00 (रूठ सात तथा तरह हजार मात्र) की धनराशि को सत्तर्गक में जिल्लिखित विदरणानुसार इस प्रतिबन्ध के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रयान करते हैं कि आहरण के प्रस्ताय पूर्ण औदित्य सहित शासन की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये जायेगें।

2— रदीकृति धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृति चालू पोजनाओं पर ही नियोजन विभाग द्वारा आबंदित परिव्यय क्षे सीमा तक किये जाने का दायित्व आपका होगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वर्ष की नई नदीं के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के एक्ष निन्निशित के अधीन किया जायेगा।

3- योजनओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा एथा जातां आवरवक हो सबम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्रांस की जायेगी।

- यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी नय पर रिट्ड हिल् वित्कीय इस्पुरितका यजट मैन्युअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की र आग्राश्चिता हों।
- 5— अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अमाधिकृत क्यम न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीके दनदारी उन्हों वर्ष के लिए न छोडी जाय।
- अविदेशों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को आवश्यक उपलब्ध करे
- 7— मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनावेश अधवा भविष्य में जारी होन वाले शासनावेशों का विशेष सब से पासन किया जायेगा।
- व्यय सम्बन्धी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें लेखाशिर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या की उल्लेख किया जाय।

इ-स्दीकृति धनसांश की जिलावार फाँट संबंधिन्त जिलों एवं शासन को तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

संहरतान प्रधोदत

भवधीय. (अमिताम श्रीवास्तव) अपर सविद्

एएजा द विनांक तदेव

इतिहारि केम्नलिखत को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :--

- महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देरादून ।
- 2- निजी राधिव, गाठ मुख्य मंत्री जी।
- 3- समस्त जिलाविकारी उत्तरांचल।
- 4- रागस्य कोषाधिकारी उत्तरांचल।
- 5- विता अनुभाग-2/नियोजन दिनाग/एन.आई.सी.।
- जार्च महिला ।

आज्ञा से, प्राप्त ओमकार सिंह) अनु संचिव

शासनाचेस सं0—1039/xxv111 (1) 2004—04/2004 दिनांक आगस्त, 2005

/	धनराशि हजार रहपर्य में	
N. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1.	आयोजनामत	आयोजनेत्तर
CENTS		
210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ-		
a - प्रामीण रचारध्य रोवाये		
.02—ક્ષેત્રોથેલી		
o_अनुसर्वित स्वाधियों हेत रपेशल कम्पोनेन्ट प्लान		
1201—हिरनाखेडी(हरिहार)ने होन्योपैथिक चिकित्सालय की स्थापना		
્રા–હેલુન	300	
०३-महभाई भरता	90	
G4-आश्रा स्थय	20	
05-रथानान्तरण यात्रा व्यय	15	
०६-अन्य भन्ने	33	
०८—कायोलय व्यव	12	
०७-विश्त देथ	2	
11-लेखन सामग्री और फामों की छपाई	10	
12-कार्यालय फनीचर एवं उपकरण	20	
17-किएया एएएएक और कर स्वानित्व	5	
26-मशीन और सब्बा/खयकरण और सबंद्र	15	
38-औपचि तथा रसायन	30	
42-अन्य व्यय	1	
48-अवकारा साम्रा व्यव	150	
46-महोगाई वेसन	713	
दोन-	710	

(५० सात लाय तैरह हजार मात्र)

्रिट्ट (अमिलाम श्रीवारक्रव) अपर सचिव्। प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा मे

निदेशक, होम्योपैथिक सेवायें उत्तरांचल देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादूनः दिनांक : 5. अगस्त 2005

विषयः अनुदान स0-31 लेखाशीर्षक 2210 के अन्तर्गत जोशीमठ में होम्योपैथिक चिकित्सालय की स्थापना के संबंध में ।

महोदय,

अपने पत्र सं0—25प/होम्यो०/बजट/2005—06/696/ दिनांक 22—6—2005 का सन्दर्भ ग्रहण करें । उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव वित्त विभाग के पत्र सं0—422/ XXVII (1) 2005 दिनांक 30.3.2005 तथा संख्या—527 ए०/ XXVII (1) 2005 दिनांक 26.4.2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2005—06 की आय—व्ययक की मांगे स्वीकृत होने वे तत्संबंधी विनिधोग अधिनियम 2005 पारित होने के फलस्वरूप (होम्योपैथिक सेवाये) विभाग की योजनाओं की कियान्वयन हेतु अनुदान स0—31 के अन्तर्गत मानक मद—वेतन, मंहगाई भत्ते, अन्य भत्ते तथा अनुदान के रूप में सरकारी सेवकों तथा गँर सरकारी सवकों के वेतन एवं बचनबद्ध मदों में मजदूरी, विधुत देव जलकर किराया , पेंशन औषधि , भोजन व्यय ,पैट्रोल, टेलीफोन तथा अन्य आवश्यक व्ययों को भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2005—06 में उपरोक्त बचनबद्ध मदों में (दिनांक 01 अप्रैल, 2005 से दिनांक 30.4.2005 तक वित्तीय स्वीकृतियों का सम्मिलित करते हुए) आयोजनागत पक्ष में रूठ 4,80,0,00—00 (रूठ चार लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि को संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार इस प्रतिबन्ध के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है कि आहरण के प्रस्ताव पूर्ण औदित्य सहित शासन की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये जायेगें।

- 2— स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृति चालू योजनाओं पर ही नियोजन विभाग द्वारा आबंटित परिव्यय की सीमा तक किये जाने का दायित्व आपका होगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वर्ष की नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नही किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत निम्नलिखित के अधीन किया जायेगा।
- 3— योजनओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।

यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर ये।
वहने लिए विलीम हुनुस्तिका ब्रज्जट मैन्युअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य राक्षम अधिकारी की पूर्व

 अतिरिवत अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू दिल्लीय व जिल्ला है अगर्स वर्ष के लिए न छोड़ी जाय।

आवंदनीं के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को आवश्यक उपलब्ध करा

िये दाया।
7- मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेश अथवा भविष्य में जारी होन वाले शासनादेशों का
(12) र : से पालन किया जायेगा।

्— व्यय सम्बन्धी जो भी बिल कोषाधिकारी को पुनतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें लेखाशिर्षक के स्तात-शास अनुवान संख्या की उत्सेख किया जाय।

५-स्वीकृति धनराशि की जिलावार फॉट संबंधिन्त जिलों एवं शासन को तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना चूलिएक किया जाय।

रां सम्बन्ध दशोक्त

भवदीय, (अमिताभ श्रीवास्तव) अपर सचिव

न हिनांक तदैव

प्रतिकृति निम्नलिखत को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

!- नहालेखाकार, उत्तरसंघल, नाजरा देंशदून ।

निजी सचिव, माठ मुख्य मंत्री जी।

उ- रानरत जिलाधिकारी उत्तरांचल।

:- समस्त कोषाधिकारी उत्तरांचल।

चिला अनुमाग-2/नियोजन विमान/ऐन.आई.सी.।

उच्च गार्थ काईल ।

आज्ञा से, अम् जर सिंह) अनु सविव

	शासनादेश संo- / XXV (1) 2004-04	/2004 दिनांक अगस्त,	2005	
अनुदान	र् ग 0−30	धनराशि हर	धनराशि हजार रूपये में	
लेखाशीर्ष			आयोजनेत्तर	
04 71119	कित्सा तथा लोक स्वारथ्य ण स्वारथ्य सेवायें			
			e	
790-01	जाति उप क्षेत्र योजना			
03-0151	मंड में होम्योपैथिक चिकित्सालय की स्थापना			
	01—वेतन	200		
	03-महरगाई भत्ता	60		
	04-यात्रा व्यय	5		
	05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	20		
	06-अन्य भत्ते	22		
	०८—कार्यालय व्यय	5		
	०९-विधुत देय	1		
	11-लेखन सामग्री और फार्मो की छपाई	10		
	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	20		
	17-किराया उपशुल्क और कर स्वामित्व	1		
	26-मशीनें और सज्जा / उपकरण और संयंत्र	10		
	39-औषधि तथा रसायन	20		
	42-अन्य व्यय	5		
	45-अवकाश यात्रा व्यय	1		
	48-महंगाई वेतन	100		
	योग-			
		480		

(रू० चार लाख अस्सी हजार मात्र)

(अमिताभ श्रीदास्तव) अपर सचिव।